दिनांक: 13 अक्टूबर 2023

मेरा युवा भारत

इस लेख में "दैनिक वर्तमान मामले" और विषय विवरण "मेरा युवा भारत" शामिल है। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के सरकारी नीतियां अनुभाग में प्रासंगिक है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए:

- मेरा युवा भारत

मुख्य परीक्षा के लिए:

- सामान्य अध्ययन-02
- सरकारी नीतियां और योजना

सुर्खियों में क्यों :

- हाल ही में, प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने'मेरा युवा भारत' (एमवाई भारत) नाम के एक स्वायत्तशासी निकाय की स्थापना को मंजूरी दी।

प्रमुख बिन्दु:

उद्देश्य–

- इसका उद्देश्य युवाओं के विकास और युवा नेतृत्व वाले विकास के लिए प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित एक व्यापक सक्षम तंत्र के रूप में कार्य करना और युवाओं को समान पहुंच प्रदान करते हुए उनकी आकांक्षाओं को साकार करना और सरकार के संपूर्ण दायरे में विकसित भारत का निर्माण करना है।

लक्षित आयु वर्ग:

- राष्ट्रीय युवा नीति में दी गई 'युवा' की परिभाषा के अनुरूप, 15-29 वर्ष के आयु वर्ग के युवा इससे लाभान्वित होंगे। विशेष रूप से किशोरों के लिए बनाए गए कार्यक्रम घटकों के मामले में, लाभार्थी 10-19 वर्ष के आयु वर्ग के होंगे।

दृष्टिकोण:

- यह युवाओं को संलग्न करेगा और उनके सशक्तिकरण **को 'संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण' (**सरकार के सभी वर्गों से समर्थन वाली गतिविधियों) के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित किया जाएगा।
- मेरा युवा भारत (MY India) का मुख्य लक्ष्य इसे युवा विकास के लिए एक समग्र सरकारी मंच बनाना है। युवा, नई व्यवस्था के तहत संसाधनों तक पहुंच और अवसरों से जुड़ाव के साथ परिवर्तन के एजेंट और राष्ट्र निर्माता बन जाएंगे और सरकार और नागरिकों के बीच युवा सेतु के रूप में काम कर सकेंगे।

मेरा युवा भारत की आवश्यकता:

- यह निर्णय तेजी से बदलती दुनिया में, जहां सोशल मीडिया, तीव्र संचार, नए डिजिटल अवसरों और उभरती प्रौद्योगिकियों का वातावरण है, युवाओं को शामिल करने और उन्हें 'संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण' के सिद्धांतों से सशक्तिकरण करने का है।
- यह **राष्ट्र निर्माण के लिए अपार युवा ऊर्जा का उपयोग करना चाहता है।**

प्रत्याशित प्रभाव-

- नई व्यवस्था के तहत युवा संसाधनों और अवसरों तक पहुंच के कारण सामुदायिक परिवर्तन एजेंट और राष्ट्र निर्माता बनेंगे, जिससे वे सरकार और जनता के बीच युवा सेतु के रूप में सेवा करने में सक्षम होंगे।

- अलग-अलग व्यक्तिगत संपर्क की जगह प्रोग्रामेटिक कौशल का विकास कर अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से नेतृत्व कौशल में सुधार होगा
- विकास के सक्रिय चालक के रूप में युवाओं में अधिक निवेश करने से, समुदायों के पास नेतृत्व और सामाजिक नवप्रवर्तक होंगे। युवाओं के नेतृत्व वाले विकास पर ध्यान केंद्रित करने से युवा लोग विकास के केवल "निष्क्रिय प्राप्तकर्ता" के बजाय "सक्रिय चालक" बन सकेंगे।
- यह युवा आकांक्षाओं और सामुदायिक आवश्यकताओं के बीच बेहतर तालमेल की आशा करता है।
- इसके अलावा, यह वर्तमान कार्यक्रमों के संयोजन के माध्यम से बढ़ी हुई दक्षता लाएगा और युवाओं और मंत्रालयों के लिए वन-स्टॉप शॉप के रूप में काम करेगा।

स्रोत: पीआईबी

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-01 मेरा युवा भारत के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. हाल ही में, रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में 'मेरा युवा भारत' (MY INDIA) नाम के एक स्वायत्तशासी निकाय निकाय की स्थापना को मंजूरी दी।
2. राष्ट्रीय युवा नीति में दी गई 'युवा' की परिभाषा के अनुरूप, 15-29 वर्ष के आयु वर्ग के युवा इससे लाभान्वित होंगे।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

1. केवल 1
2. केवल 2
3. 1 और 2 दोनों
4. न तो 1 और न ही 2

उत्तर-B

प्रश्न-01. मेरा युवा भारत के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसका उद्देश्य युवाओं के विकास और युवा नेतृत्व वाले विकास के लिए प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित एक व्यापक सक्षम तंत्र के रूप में कार्य करना
2. यह युवाओं को संलग्न करेगा और उनके सशक्तिकरण को 'संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण' (सरकार के सभी वर्गों से समर्थन वाली गतिविधियों) के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित किया जाएगा।
3. मेरा युवा भारत (MY India) का मुख्य लक्ष्य इसे युवा विकास के लिए एक समग्र सरकारी मंच बनाना है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

1. केवल 1 और 2
2. केवल 2 और 3
3. केवल 3
4. उपर्युक्त सभी।

उत्तर: (D)

मुख्य परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-03– मेरा युवा भारत व्यवस्था के तहत युवा संसाधनों और अवसरों तक पहुंच के कारण सामुदायिक परिवर्तन एजेंट और राष्ट्र निर्माता में सक्षम होंगे चर्चा कीजिए।

गंगा नदी डॉल्फ़िन

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "गंगा नदी डॉल्फ़िन" शामिल है। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल परीक्षा के "पर्यावरण और पारिस्थितिकी" अनुभाग में प्रासंगिक है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए:

- *गंगा नदी डॉल्फ़िन की विशेषताएं क्या हैं?*

मुख्य परीक्षा के लिए:

- *जीएस 3: पर्यावरण और पारिस्थितिकी*

सुर्खियों में क्यों?

- वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की एक हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि 2013 से 2020 तक उत्तर प्रदेश में गंगा-घाघरा बेसिन के भीतर सिंचाई नहरों से 19 गंगा नदी डॉल्फ़िन को सफलतापूर्वक बचाया गया।

गंगा नदी डॉल्फ़िन के बारे में-

- गंगा नदी डॉल्फ़िन (*प्लैटानिस्टा गैंगेटिका*), प्लाटानिस्टिडे परिवार से संबंधित है। ये डॉल्फ़िन पृथ्वी की प्राचीन प्रजातियों में से एक का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो कुछ प्रकार के कछुओं, मगरमच्छों और शार्क के साथ इस अंतर को साझा करते हैं।
- गंगा नदी की डॉल्फिन की खोज वर्ष 1801 की है।
- गंगा डॉल्फिन को वर्ष 2009 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय जलीय जीव (National Aquatic Animal) के रूप में मान्यता दी थी।

आवास:

- गंगा नदी डॉल्फ़िन मुख्य रूप से गंगा, ब्रह्मपुत्र और मेघना नदियों के मीठे पानी में निवास करती हैं, जो भारत, बांग्लादेश और नेपाल के क्षेत्रों में फैली हुई हैं।
- उन्होंने इन नदी प्रणालियों के धुंधले और तेजी से बहने वाले पानी के लिए अच्छी तरह से अनुकूलित किया है।

विशिष्ट उपस्थिति:

- गंगा नदी डॉल्फ़िन अपने अद्वितीय शारीरिक लक्षणों के लिए प्रसिद्ध हैं। उनके पास एक लंबी, पतली चोंच और उनकी पीठ पर एक कूबड़ होता है, जो उन्हें अन्य नदी डॉल्फ़िन से अलग करता है।
- उनका रंग आमतौर पर भूरे-भूरे रंग की ओर होता है, जिसमें समुद्री डॉल्फ़िन में देखे जाने वाले पारंपरिक पृष्ठीय पंख की कमी होती है।

इकोलोकेशन:

- ये पराश्रव्य ध्वनियों का उत्सर्जन करके शिकार करती हैं, जो मछलियों और अन्य शिकार से टकराकर वापस लौटती है तथा उन्हें अपने दिमाग में एक छवि "देखने" में सक्षम बनाती है। इन्हें 'सुसु' (Susu) भी कहा जाता है।
- वे ध्वनि तरंगों का उत्सर्जन करते हैं जो वस्तुओं से उछलते हैं, उनके पास लौटते हैं और उनके परिवेश का मानसिक मानचित्र बनाने में सहायता करते हैं।

आहार:

- उनके आहार में मुख्य रूप से मीठे पानी की नदियों में पाई जाने वाली विभिन्न मछली प्रजातियां शामिल हैं।
- गंगा नदी डॉल्फ़िन कुशल शिकारी हैं और अपने शिकार को पकड़ने और उपभोग करने के लिए अपने तेज दांतों का उपयोग करते हैं।

प्रजनन:

- इन डॉल्फ़िन की प्रजनन दर धीमी होती है, मादाएं हर 2-3 साल में एक बछड़े को जन्म देती हैं। गर्भधारण की अवधि लगभग 9-10 महीने तक रहती है।

संरक्षण की स्थिति:

- इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (**आईयूसीएन)** के अनुसार, गंगा नदी डॉल्फिन एक **लुप्तप्राय** स्थिति है।
- यह वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 **की अनुसूची 1** के **तहत कानूनी रूप से संरक्षित है।**
- यह लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार **पर कन्वेंशन (CITES**) और प्रवासी प्रजातियों पर कन्वेंशन **(CMS) दोनों के** परिशिष्ट 1 **में सूचीबद्ध है।**

चुनौती:

- 50 से अधिक बांधों और विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण ने गंगा नदी डॉल्फ़िन आबादी को विभाजित कर दिया है, जिससे उन्हें अलग-अलग समूहों में विभाजित किया गया है।
- यह अलगाव इनब्रीडिंग के जोखिम को बढ़ाता है और अतिरिक्त खतरों के लिए उनकी भेद्यता को बढ़ाता है क्योंकि वे नए क्षेत्रों में पलायन नहीं कर सकते हैं।
- आवास क्षरण, प्रदूषण और मछली पकड़ने के जाल में आकस्मिक उलझाव सहित विभिन्न खतरों के कारण उनकी आबादी में गिरावट आई है।

संरक्षण के लिए पहल:

प्रोजेक्ट डॉल्फ़िन:

- प्रधान मंत्री द्वारा 2020 में शुरू किया गया, प्रोजेक्ट डॉल्फिन गंगा नदी डॉल्फ़िन और नदी के पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण पर केंद्रित है।
- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत, इस परियोजना का वित्तीय समर्थन प्राप्त है।

- यह एक संरक्षण कार्य योजना को विकसित करने और कार्यान्वित करने के लिए प्रजातियों की स्थिति और संभावित खतरों की व्यवस्थित रूप से निगरानी करता है।

भारतीय वन्यजीव संस्थान:

- 2016 से, भारतीय वन्यजीव संस्थान कैंपा द्वारा वित्त पोषित अपने प्रजाति संरक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से गंगा नदी डॉल्फ़िन के लिए एक संरक्षण कार्य योजना विकसित करने में सक्रिय रूप से शामिल रहा है।
- 2022 से 2047 तक की योजना, नदी डॉल्फ़िन और जलीय आवासों की संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई है।

संरक्षित क्षेत्र:

- गंगा नदी के किनारे गंगा नदी डॉल्फ़िन के महत्वपूर्ण आवासों को संरक्षित क्षेत्र नामित किया गया है, जैसे कि बिहार में विक्रमशिला डॉल्फ़िन अभयारण्य।

स्रोत: https://www.thehindu.com/sci-tech/energy-and-environment/19-dolphins-rescued-alive-from-canals-of-ganga-ghagra-basin-says-study/article67392753.ece

प्रश्न-01. गंगा नदी डॉल्फिन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वे केवल मीठे पानी की नदी प्रणालियों में पाए जाते हैं।
2. डॉल्फ़िन के विपरीत, ये गंगा नदी डॉल्फ़िन टर्बिड पानी में नेविगेट और शिकार का पता नहीं लगा सकते हैं।
3. शाकाहारी होने के कारण, उनके आहार में मुख्य रूप से मीठे पानी की नदियों में पाए जाने वाले विभिन्न पौधों की प्रजातियां शामिल हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही नहीं है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3
(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तर: (b)

प्रश्न-02. गंगा नदी डॉल्फ़िन के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार करें:

1. डॉल्फ़िन दुनिया के सबसे पुराने प्राणियों में से एक हैं।
2. उत्तर प्रदेश में विक्रमशिला डॉल्फिन अभयारण्य को इन डॉल्फ़िन के लिए एक संरक्षित क्षेत्र नामित किया गया है।

उपर्युक्त में से कौन सा कथन सही है?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

प्रश्न-03. गंगा नदी डॉल्फ़िन के संरक्षण के सामने आने वाली चुनौतियों और इन चुनौतियों को संबोधित करने के उद्देश्य से की गई पहलों पर चर्चा करें, इस लुप्तप्राय प्रजातियों के अस्तित्व को सुनिश्चित करने में उनके महत्व और प्रभावशीलता पर प्रकाश डालें।

Rajiv Pandey

Yojna IAS योजना है तो सफलता है